

KLEINER KONZERTHAUS - SAAL

Montag, 29. April 1918, halb 8 Uhr abends

DICHTER-ABEND

Heinrich Glücksmann-Peter Sturmibusch



LIEDERFOLGE:

I. ABTEILUNG

PAUL KAMMERER	---	---	---	Mädchen	—	Frühling
ALEXANDRINE ESZTERHAZY-ROSSI	---	---	---	Frühlingstag		
PEPPO GÖRZER	---	---	---	Tieftraurig Herz		

Texte von PETER STURMBUSCH

ARTHUR v. HENRIQUEZ †	---	---	---	Rosenliebe		
HERMANN GRÄDENER	---	---	---	Aufstieg		

Texte von HEINRICH GLÜCKSMANN

II. ABTEILUNG

PEPPO GÖRZER	---	---	---	Maria		
KAMILLO HORN	---	---	---	Alles schweigt		
KJERULF	---	---	---	Nordische Volksweise		
BRUNETTI-PISANO	---	---	---	Sonnenaufgang am Meer		

Texte von PETER STURMBUSCH

HEINRICH SALZMANN	-	---	---	Verschiedene Wege		
-------------------	---	-----	-----	-------------------	--	--

Text von HEINRICH GLÜCKSMANN

Gesungen von

FRÄULEIN LISE STURMBUSCH

Mitglied der Wiener Volksoper

Am Klavier - - - Prof. ALEX. MANNHARDT